

एक भावना किम्वदुत
 श्री भाव दिनेक जो भावनी लगे
 छात्र नही भावनी लगे जो
 न्यायलय समय न्यायिक एक एक
 कर भावना साधक है, किन्तु
 श्री लगे छात्र नही लगे दिनेक
 नै भावनी लगे के विवेक एक एक
 जापवही समय नै साई जाई है
 भावना प्राणी भावनी लगे उ की
 या लखी है तबलान्य भाग पूर्व
 पता पत्र करव जाई है।
 पत्र लखी कवे दाद जाद दि-
 19/5/92 का पत्र है।

(नीलवती)
 न्यायलय
 (न्यायलय)
 लखी

19/5/92

पत्रावली पेश हुई। उभयपक्ष अधिवक्ता हजि
 श्रीमान पीओ साहब अवकाश/चुनाव/दीन/दी
 कार्य में व्यस्त है। पत्रावली वास्ते
 दिनांक 19/5/92 को पेश है।

19/5/92

पत्रावली पेश हुई। भावना प्राणी
 नही न्यायलय समय न्यायिक एक एक
 कर भावना साधक है, किन्तु
 भावना प्राणी भावनी लगे उ की
 भावना प्राणी भावनी लगे उ की
 पत्रावली/भक्त लखी नै साई किम्व
 लखी है। पत्रावली को लखनी
 इन्डाल की लखनी लखनी भावना प्राणी
 भावना प्राणी लखनी लखनी लखनी
 न्यायलय में लखनी

(नीलवती)
 न्यायलय
 (न्यायलय)
 लखी

